

औषधीय खेती को देंगे बढ़ावा : कर्ण

देव सदन में आयोजित कार्यशाला में बोले मंत्री

अमर उजाला ब्यूरो

कुल्लू।

कुल्लू के देव सदन में आयुर्वेद विभाग के अधीन राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सौजन्य से औषधीय पौधों पर एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा कि हिमाचल में औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों का अपार भंडार है। इनकी व्यवसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष पहल करने जा रहा है।

कर्ण सिंह ने बताया कि प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। विभाग आरोग्य मेलों का भी आयोजन करेगा तथा हर जिला में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, क्रेताओं और विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इससे किसान-बागवान जड़ी-बूटियों के एकीकरण व खेती के लिए प्रेरित होंगे और उन्हें फार्मेशियों व दवा निर्माताओं के माध्यम से अच्छे दाम भी मिलेंगे। सभी आयुर्वेद केंद्रों, अस्पतालों व विभाग के अन्य परिसरों में बड़े पैमाने पर औषधीय

कहा, जड़ी-बूटी के
विक्रेताओं के लिए
आयुर्वेद विभाग करेगा
मेलों का आयोजन

पौधे लगाए जाएंगे। बंजार विधानसभा क्षेत्र के बजौरा में आयुष कॉलेज, अस्पताल व हर्बल गार्डन की स्थापना को मंजूरी दी जा चुकी है। इसके लिए जमीन हस्तांतरण प्रक्रिया जारी है। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्री ने औषधीय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निशा सिंह और निदेशक डॉ. आरके पुरुधी ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। सम्मेलन के अन्य सत्रों में आईएचबीटी पालमपुर के निदेशक डॉ. संजय कुमार, डॉ. डीआर नाग, नौणी विश्वविद्यालय के डॉ. कुलवंत कुमार, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के निदेशक बीएस राणा, जीबी पंत संस्थान के डॉ. एसएस सामंत, डॉ. अरुण चंदन और कई अन्य विशेषज्ञों ने जड़ी-बूटियों के क्रेताओं-विक्रेताओं का मार्गदर्शन किया। सम्मेलन में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हिमाचल प्रभारी डॉ. सुनील दत्त, आयुर्वेद विभाग की संयुक्त निदेशक भावना शर्मा, मंडी संसदीय क्षेत्र युका अध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह भी उपस्थित रहे।



कुल्लू के देवसदन में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक और किसान।

पंजाब केसरी

हिमाचल

औषधीय खेती को बढ़ावा देगा विभाग

जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, क्रैताओं व विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे : कर्ण

कुल्लू, 14 सितंबर (पार): हिमाचल प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन को बहुत ज्यादा संभवकर्षण है। इनको बढ़ावा देने के लिए अनुसूचित विभाग अगले वर्ष से नए महोत्सवों की तरह औषधीय उत्पाद महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। अनुसूचित एवं सहकारीता मंत्री कर्ण सिंह ने यह बात कही। वे यहां देव सदन में विभाग के अर्ध-राज्य औषधीय उत्पाद बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय उत्पाद बोर्ड के संयोजन में औषधीय पौधों पर आयोजित एकदिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन का भी संबोधित कर रहे थे।

इस सम्मेलन में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों व अधिकारियों के अलावा जड़ी-बूटियों की खेती व एकत्रीकरण में जुड़े प्रदेश भर के किसानों, कलाकारियों, कार्यों की संस्थानकों और दवा निर्माताओं ने भी भाग लिया।

कर्ण ने कहा कि विभाग अगले सालों का भी आयोजन करेगा तथा हर जिले में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, क्रैताओं व विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इससे किसान-कारखान जड़ी-बूटियों के एकत्रीकरण व लेनों के लिए प्रेरित होंगे और उन्हें फायदा होगा।

उद्घाटन सत्र में अनुसूचित विभाग की प्रधान सचिव निरज सिंह और निदेशक डा. अरुण कुमार ने कर्ण सिंह का अभिनंदन किया। उन्होंने सम्मेलन को कारगर और विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। विभाग के अति सौ. सी. डा. निरेश कुमार ने कुल्लू अतिथि, अन्य अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों और एकत्रीकरणकर्तों का आभार व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

सम्मेलन के अन्य सत्रों में अतिथि सौ. सी. पी.एस.ए. के निदेशक डा. संजय कुमार, डा. सी.आर. नारा, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के डा. कुलकर्ण कुमार, डेट हिमालयन नेशनल पार्क के निदेशक श्री एन. राय, जी.बी. रॉय संस्थान के डा. एम.एम. शर्मा, डा. अरुण शंकर, राष्ट्रीय औषधीय उत्पाद बोर्ड के हिमाचल प्रमुख डा. सुशील एन. अनुसूचित विभाग की संयुक्त निदेशक श्यामल शर्मा, अंतिम संसदीय क्षेत्र कुल्लू अर्ध-राज्य अतिथि निरज सिंह भी उपस्थित थे।



कुल्लू : देवसदन में औषधीय पौधों पर आयोजित एकदिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते अनुसूचित एवं सहकारीता मंत्री कर्ण सिंह। (पूरण)

अस्पताल परिसरों में लगाएंगे औषधीय पौधे

कर्ण सिंह ने बताया कि लगे अनुसूचित क्षेत्रों, अस्पतालों व विभाग के अन्य परिसरों में बड़े पैमाने पर औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। इस क्षेत्र पर अनुसूचित अर्थ से औषधीय पौधों की खेती से संबंधित प्रशिक्षणों का विभाजन भी होगा।

औषधीय खेती को देंगे बढ़ावा

कर्ण सिंह ने देव सदन में औषधीय पौधों पर सम्मेलन का किया उद्घाटन

- विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, फार्मसी संचालकों और किसानों ने लिया भाग
- आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से औषधि पादप महोत्सव मनाने पर कर रहा विचार

संवाद दूर, कुल्लू : आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा कि प्रदेश में औषधिय पौधों व जड़ी-बूटियों का उत्पन्न बढ़ावा है। इनकी व्यवसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष ध्यान देने का रहा है। बुधवार को देव सदन में विभाग के अध्यक्ष राज अशोकचंद्र पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधिय पादप बोर्ड के संयोजन में औषधिय पौधों पर एक दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन सत्र में कर्ण सिंह ने कर जनश्रुति दी। सम्मेलन में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिक व अधिकारियों के अलावा जड़ी-बूटियों की खेती व एकत्रीकरण के जुड़े प्रदेशभर के किसानों, कारोबारियों, फार्मसी संचालकों और दवा निर्माताओं ने भी भाग लिया।

कर्ण सिंह ने बताया कि प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन की बहुत ज्यादा संभावनाएं हैं। इसको बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। विभाग अंतर्गत मेलों व भी आयोजन करेगा तथा हर जिले में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, विक्रेताओं व विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जायेंगे। इससे किसान-संयोजक जड़ी-बूटियों के एकत्रीकरण व खेती के लिए प्रेरित होंगे और उन्हें फार्मसी व दवा निर्माताओं के माध्यम से अच्छे दाम भी मिलेंगे।

कर्ण सिंह ने बताया कि सभी आयुर्वेद बोर्ड, अनुसंधान व विभाग के अन्य परिसरों में बड़े पैमाने पर औषधिय पौधे लगाए जायें। बड़ा किसान-संयोजक क्षेत्र के बागीचे में आयुर्वेद कौशल, अनुसंधान व इकोनोमिक्स की स्थापना को मजबूती दी जा चुकी है। इसके लिए जमीन हास्तागत प्रक्रिया जारी है। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्रियों ने औषधिय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निरा सिंह और निदेशक डॉ. अरुण कुमार ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की शारदा और विभाग की विभिन्न योजनाओं की



सम्मेलन में कर्ण सिंह के साथ स्टालों को मिलते मंत्री कर्ण सिंह।

विभिन्न योजनाओं की थीं। विभाग के अतिथी डॉ. दिनेश कुमार ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों और दवा निर्माताओं का आभार जताया। सम्मेलन के अन्य सत्रों में आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. संजय

कुमार, डॉ. डीआर नाग, नौणी विश्वविद्यालय के डॉ. कुलवंत कुमार, डी. जयप्रकाश मेसर्सन चर्क के निदेशक योगेश चण्ड, जौली पर संयोजक के डॉ. एमएस गाम्बर, डॉ. अरुण चंदन आदि ने भाग लिया।

पहल देवसदन में सम्मेलन के शुभारंभ पर बोले आयुर्वेद मंत्री कर्ण सिंह

औषधीय खेती को देंगे बढ़ावा

जिला संवाददाता, कुल्लू

आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में औषधीय पौधों व जड़ी-बूटियों का अपार भंडार है। इनकी व्यावसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष पहल करने जा रहा है। बुधवार को देव सदन में विभाग के अध्यक्ष राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के संयोजन से औषधीय पौधों पर आयोजित एकदिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन

सत्र को संबोधित करते हुए कर्ण सिंह ने यह जानकारी दी। इस सम्मेलन में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों व अधिकारियों के अलावा जड़ी-बूटियों की खेती व का भी आयोजन करेगा तथा हर जिला में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्री ने औषधीय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निरा सिंह और निदेशक डॉ. अरुण कुमार ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की शारदा और विभाग की विभिन्न योजनाओं की



हैं। इसको बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। विभाग अंतर्गत मेलों का भी आयोजन करेगा तथा हर जिला में जड़ी-बूटियों के उत्पादकों, विक्रेताओं के सम्मेलन करवाए जाएंगे। इस मौके पर आयुर्वेद मंत्री ने औषधीय पौधों की खेती से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। उद्घाटन सत्र में आयुर्वेद विभाग की प्रधान सचिव निरा सिंह और निदेशक डॉ. अरुण कुमार ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की शारदा और विभाग की विभिन्न योजनाओं की

विभाग की प्रधान सचिव निरा सिंह और निदेशक डॉ. अरुण कुमार ने कर्ण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की शारदा और विभाग की विभिन्न योजनाओं की

विभाग के अतिथि, अन्य अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों और दवा निर्माताओं का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन के अन्य सत्रों में आईएचबीटी पालमपुर के निदेशक डॉ. संजय कुमार, डॉ. डीआर नाग, नौणी विश्वविद्यालय के डॉ. कुलवंत कुमार उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश का आभार कुल्लू : 01902-226746, फ़ादर एच 94181-47232, ई-मेल kullu@divyahimachal.com व 98160-31004

औषधीय खेती को बढ़ावा देगा आयुर्वेद विभाग: कर्ण

फुल्लू | आयुर्वेद एवं सहकारिता मंत्री कर्ण सिंह ने कहा है कि हिमाचल में औषधीय पौधों व जड़ी-बूटियों का अपार भंडार है। इनकी व्यवसायिक खेती, उत्पादन और बेहतर विपणन के लिए आयुर्वेद विभाग विशेष पहल करने जा रहा है। बुधवार को देव सदन में विभाग के अधीन राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सौजन्य से औषधीय पौधों पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कर्ण सिंह ने ये जानकारी दी। कर्ण सिंह ने बताया कि प्रदेश में जड़ी-बूटियों के उत्पादन की बहुत संभावनाएं हैं। इसको बढ़ावा देने के लिए विभाग अगले वर्ष से वन महोत्सवों की तरह औषधि पादप महोत्सव मनाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग हर जिलों में आरोग्य मेलों का भी आयोजन करने जा रहा है।